खास-खबरें

दिन भर उमस के बाद शाम को बरसा पानी, लोगों को मिली राहत

नईदुनिया प्रतिनिधि जीरापुर । मंगलवार को सुबह से आसमान पर बादलों ने डेरा डाल लिया। दिन भर मामूली धूप रही लेकिन, उमसभरी गर्मी लोगों को परेशान करती रही। शाम करीब साढ़े 05 बजे झमाझम बारिश शुरु हो गई। यह बारिश एक घंटे के करीब हुई लेकिन, इसके बाद आमजन को उमस भरी गर्मी से राहत मिल गई।

बारिश शुरु होते ही बच्चे घरों के बाहर निकलकर सड़को पर बारिश में भीगते हुए मस्ती करते देखे गए। कई दो पहिया वाहन सवार बारिश का लुफ्त उठाने के लिए सड़को पर आवाजाही करते देखे गए। बारिश थम जाने के बाद गर्मी से राहत महसूस कर रहे लोग घरों की छतों पर और गली-मोहल्लों की सड़को पर पहुंचकर सुहावने हुए मौसम का आनंद लेने लगे। कुछ देर रुकी बारिश फिर शुरू हुई झमा झाम बारिश।

जगनियापुरा में पानी से भरे 25 फीट गहरे गड्ढे डूबने से महिला सहित दो बच्चों की मौत, गांव में मातम

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़ । ब्यावरा थाना क्षेत्र के ग्राम जगनियापुरा में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां गिट्टी क्रेशर मशीन के पीछे बने करीब 25 फीट गहरे पानी से भरे गड्ढे में डूबने से एक महिला और दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही ब्यावरा थाना प्रभारी शिवराज सिंह चौहान अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से तीनों शवों को पानी से बाहर निकलवाया और एम्बुलेंस के माध्यम से शासकीय अस्पताल ब्यावरा पहुंचाया, जहां शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।मृतकों की पहचान सायरा बाई (30 वर्ष), नेब्रेन पारधी (6 वर्ष) और निभ्रता पारधी (9 वर्ष) निवासी कड़िया, थाना बड़ा बैरसिया, जिला भोपाल के रूप में हुई है।बताया जा रहा है कि मृतक परिवार पिछले लगभग तीन वर्षों से जगनियापुरा क्षेत्र में रहकर कबाड़ बीनने और मजदूरी का कार्य कर रहा था।

फिलहाल ब्यावरा सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर भीषण सड़क हादसों में चार लोगों की मौत, ट्रक और बोलेरो की हुई आमने-सामने से टक्कर

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर गोदी जोड़ के समीप सोमवार को ट्रक और बोलेरो वाहन के बीच आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 5 गंभीर घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन एवं एंबुलेंस मौके पर पहुंची । मौके पर पार्वती थाना प्रभारी हरिसिंह परमार पहुंचे।तीन घायलों को सिविल अस्पताल उपचार हेतु भेजा।दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। राजगढ़ क्षेत्र के इंदरसिंह पिता नंदराम, राजाराम पिता गणपत भियापुरा राजगढ़ के रहनेवाले बताये जा रहे हैं।यह आठ लोग थे विक्षिप्त व्यक्ति का उपचार कराने के लिए आ रहे थे, मृतकों की संख्या पांच हुई।

नदी की जैव विविधता और मत्स्य संपदा पर प्रतिकूल प्रभाव

कलेक्टर के प्रतिबंध के बावजूद कालीसिंध में धड़ल्ले से हो रहा मछली का अवैध शिकार

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। शासन द्वारा नदियों से रेत उत्खनन एवं खनन गतिविधियों पर रोक लगाए जाने के बावजूद कालीसिंध नदी में अवैध गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि इन दिनों कालीसिंध नदी में कुछ लोग नियमों को ताक पर रखकर खुलेआम अवैध रूप से मछली पकड़ रहे हैं, जिससे नदी की जैव विविधता और मत्स्य संपदा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह और देर शाम के समय नदी के विभिन्न घाटों पर जाल डालकर बड़ी मात्रा में मछलियों का शिकार किया जा रहा है। आरोप है कि संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह गतिविधि लगातार जारी है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो नदी में मछलियों की संख्या तेजी से घट सकती है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन भी प्रभावित होगा। क्षेत्रवासियों ने बताया कि शासन द्वारा नदी और उसके प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रतिबंध लगाए जाते हैं, लेकिन उनका प्रभाव धरातल पर दिखाई नहीं देता। अवैध मछली शिकार करने वाले लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उनके हौसले बुलंद हैं।

सामाजिक संगठनों ने प्रशासन, मत्स्य विभाग तथा संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि कालीसिंध नदी में नियमित गश्त कर अवैध रूप से मछली पकड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही नदी क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई जाए ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

यदि प्रशासन द्वारा समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कालीसिंध नदी की मत्स्य संपदा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान नहीं होने पर वे जनआंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे।

बोले जिम्मेदार,,,,

आपके द्वारा जानकारी मिली जांच करवाता हूं ।

सुनील शुक्ला सहायक संचालक मत्स्य राजगढ़।

सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जागरूकता मैराथन, मंत्री टेटवाल ने किया शुभारंभ

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। प्रदेश के राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने मंगलवार को सारंगपुर में 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित जागरूकता मैराथन में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं नगरवासियों के साथ सहभागिता कर साइबर सुरक्षा का संदेश दिया। प्रात: 7 बजे बस स्टैंड से शुरू हुई मैराथन नया पूरा तक पहुंची और पुन: बस स्टैंड पर आकर संपन्न हुई। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने मैराथन में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं सहभागिता करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। ऑनलाइन ठगी से बचाव, डिजिटल लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है और सभी लोगों को स्वयं सतर्क रहने के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। इस अवसर पर उप निरीक्षक दीपक परमार,एस आई आनंदीलाल भिलाला सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं जवान, शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह जनजागरूकता अभियान सफल एवं प्रेरणादायी रहा।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं सतर्क रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे तथा साइबर अपराध मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

साइबर जागरूकता मैराथन आयोजित ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए उपाय

नईदुनिया प्रतिनिधि खुजनेर- मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'सेफ क्लिक 2.0 साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को थाना खुजनेर पुलिस ने मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल, खुजनेर में साइबर अवेयरनेस मैराथन रेस का आयोजन किया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम में थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने छात्र-छात्राओं और विद्यालय स्टाफ को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, बैंकिंग ठगी, डिजिटल अरेस्ट तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों से बचने के महत्वपूर्ण उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर पीड़ित व्यक्ति तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें एवं पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं मैराथन में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए गए और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की शपथ भी दिलाई गई थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया कि 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के तहत क्षेत्र में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन साइबर अपराधियों के झांसे में आने से बचें।

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आज संस्था स्तरीय काउंसलिंग

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय राजगढ़ में तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा संचालित इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम की सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में कुछ शेष बची सीटों में अहरकारी परीक्षा 10 वीं के आधार पर प्रवेश के लिए संस्था स्तर की काउंसलिंग प्रक्रिया हेतु पंजीयन प्रारंभ हो चुके है। रजिस्ट्रेशन उपरान्त प्रवेश हेतु 08 जुलाई, 2026 को छात्र-छात्राएं संस्था में स्वयं उपस्थित होकर समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित जैसे 10वीं की अंकसूची, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र स्थानांतरण प्रमाण पत्र सहित ।

ग्राम पंचायतों में साइबर सुरक्षा पर जोर, सरपंचों को 1930 हेल्पलाइन और सीसीटीवी लगाने के दिए निर्देश

नईदुनिया प्रतिनिधि खुजनेर। थाना खुजनेर परिसर में थाना क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा अभियान के तहत साइबर अपराधों की रोकथाम और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में उपस्थित सरपंचों को साइबर ठगी, ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं अन्य साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया।

उन्हें बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें तथा संबंधित मामलों की समय पर शिकायत दर्ज कराएं इसके साथ ही सभी सरपंचों से अपने-अपने ग्राम पंचायत क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाने की

अपील की गई, ताकि आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके और आए दिन होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके बैठक में थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने कहा कि जनसहभागिता और तकनीक के समन्वय से ही साइबर अपराधों और अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

सभी सरपंचों ने अभियान में सहयोग देने और अपने-अपने गांवों में लोगों को जागरूक करने का भरोसा दिलाया

अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़ । जिले में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था सुदृढ़ीकरण एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आज कंट्रोल रूम राजगढ़ में पुलिस अधीक्षक राजगढ़ श्री अमित तोलानी (भा.पु.से.) द्वारा जिले के समस्त एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे, एसडीओपी ब्यावरा प्रकाश शर्मा, एसडीओपी राजगढ़ अरविंद राठौर, एसडीओपी खिलचीपुर डी.वी.एस. नागर, एसडीओपी अजाक नेहा गौर, रक्षित निरीक्षक उर्मिला चौहान सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जिले में अपराधों की वर्तमान स्थिति, लंबित प्रकरणों,

गंभीर अपराधों में प्रभावी कार्रवाई, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों के शीघ्र खुलासे, महिला अपराधों की संवेदनशील एवं त्वरित विवेचना, स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी तथा न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उत्कृष्ट विवेचना कर न्यायालय से अपराधियों को दंडित कराने वाले विवेचकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों को अलग-अलग श्रेणियों में प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे जनसहयोग से स्थापित कराने, चोरी एवं नकबजनी की घटनाओं का त्वरित डिटेक्शन सुनिश्चित करने तथा फरियादियों की शिकायतों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

31 जुलाई तक करें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आवेदन

राजगढ़ – किसानों की खरीफ फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसलों के बीमा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। किसान निर्धारित तिथि से पूर्व आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि, बाढ़, सूखा, कीट एवं रोगों से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना के अंतर्गत किसान ऑनलाइन पीएमएफबीवाई पोर्टल के फार्मर कॉर्नर के माध्यम से अथवा ऑफलाइन निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) एवं बैंक शाखा में आवेदन कर सकते हैं।योजना में आवेदन के लिए आधार कार्ड, भूमि संबंधी दस्तावेज, बैंक पासबुक तथा आवश्यक होने पर बुवाई प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।

जनसुनवाई में समस्याओं का त्वरित निराकरण, प्रशासन के प्रति बढ़ा जनविश्वास

नईदुनिया प्रतिनिधि राजगढ़। सुशासन, पारदर्शिता एवं जनकल्याण की दिशा में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अभिनव पहल 'संवाद से समाधान' जिले के नागरिकों के लिए भरोसे और त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बन गई है। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में नागरिक अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर डॉ. मिश्रा के समक्ष रख रहे हैं।संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में शिकायतों का मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आमजन को समयबद्ध राहत मिलने के साथ-साथ प्रशासन के प्रति उनका विश्वास भी लगातार सुदृढ़ हो रहा है। मंगलवार को आयोजित 'संवाद से समाधान' कार्यक्रम में सहकारिता विभाग से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई की गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतों के निराकरण की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान हो सके। जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता प्रेमनारायण ने बताया।

स्पेशल खबर बिजली बिल मनमानी बिजली कटौती और बिजली सुधार के नाम पर मनमानी लूट

बिजली कटौती से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग परेशानी, कामकाज प्रभावित

नईदुनिया प्रतिनिधि सारंगपुर। विद्युत मंडल के द्वारा विद्युत उपभोक्ता के साथ जमकर मनमानी की जा रही है मनमानी बिजली बिल मनमानी बिजली कटौती और बिजली सुधार के नाम पर मनमानी लुट मचा रखी है इसके लिए हाल ही में नगर में एक बड़ा आंदोलन किया गया इसके बाद भी अपनी मनमानी से बज नहीं आ रहा है फिर ऐसा ही एक मामला मंगलवार को उजागर हुआ नगर के सदर बाजार क्षेत्र में एक मकान की छत (लेंटर) भराई के दौरान सुरक्षा कारणों से विद्युत विभाग द्वारा करीब चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रखने से आसपास के कई मोहल्लों के रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह लगभग 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली बंद रहने से भीषण उमस और गर्मी के बीच छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं मरीजों को विशेष रूप से कठिनाई हुई। जानकारी के अनुसार सदर बाजार में एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था।

मकान के ऊपर से विद्युत लाइन गुजरने के कारण छत भराई के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुरानी सब्जी मंडी वार्ड क्रमांक 4 के ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। इसके चलते सदर बाजार, बोहरा वाड़ी, बनियावाड़ी, बड़ी होली, देव कुआं मार्ग सहित आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। स्थानीय रहवासी हुसैन अब्बास ने आरोप लगाया कि उनके पिता का हाल ही में बायपास ऑपरेशन हुआ है।

लंबे समय तक बिजली बंद रहने से उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिजली किसी तकनीकी खराबी के कारण

नहीं, बल्कि मकान की छत भराई के लिए पैसे लेकर बंद की गई थी। इस संबंध में विद्युत विभाग के कंट्रोल रूम ऑपरेटर राजेश बादल ने बताया कि संबंधित मकान मालिक द्वारा आवेदन दिए जाने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद की गई थी, ताकि निर्माण कार्य के दौरान कोई दुर्घटना न हो। वही दो दिन पहले भी एक मकान मालिक ने अपने प्लाट में बोरिंग लगवाने के लिए भी कुछ समय के लिए लाइट बंद करवाई थी। विद्युत बंद होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों के रहवासियों ने मांग की है कि भविष्य में यदि किसी निर्माण कार्य के लिए बिजली बंद करनी हो तो विभाग पहले से सार्वजनिक सूचना जारी करे, ताकि लोग आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें और मरीजों व बुजुर्गों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। अब देखना है कि वरिष्ठ अधिकारी इस और क्या कार्यवाही करते हैं

बोले जिम्मेदार -

विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री (जेई) उमेश मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में विद्युत संबंधी कार्य चल रहा था, जिसके कारण बिजली आपूर्ति बंद रखी गई थी।